बिहार में पटसन का कारखाना

1405. **श्री गुलानन्द ठाकुर** : क्या *वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :*

(क) क्या यह सच है कि उत्तर बिहार के सहरसा और पूर्णिया जिले प्रमुख पटसन उत्पादन केन्द्र हैं;

(ख) क्या यह सच है कि सहरसा जिले में पटसन का कारखाना न होने तथा किसानों को उचित मूल्य न दिये जाने के कारण पिछले दो तीन वर्षों में पटसन का उत्पादन धीरे धीरे कम हो गया है;

(ग) क्या यह सच है कि अन्य बातों के साथ-साथ सहरसा जिले में पटसन का एक कारखाना स्थापित करने के लिये कच्चा माल भी काफी उपलब्ध है; और

(घ) यदि हां, तो इस पिछड़े हुए सीमावर्ती क्षेत्र में कब तक पटसन का एक कारखाना स्थापित करने का सरकार का विचार है?

वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री शाकी कुरैशी) : (क) से (घ). एक विवरण संलग्न है।

विवरण

सहरसा और पूर्णिया, बिहार में सबसे अधिक जूट पैदा करने वाले जिले हैं। गत कुछ वर्षों से इन जिलों में जूट की उपज निम्नलिखित परिमाण में रही है :-

वर्ष	लाख गांठें
1961-62	11.0
1962-63	8.7
1963-64	10.0
1964-65	7.8
1965-66	7.9

2. प्रमुखतः गत तीन वर्षों में प्रतिकूल मौसम के कारण भारत के सभी जूट उत्पादक क्षेत्रों में, जिनमें बिहार भी शामिल है, जूट (और मेस्टा) की उपज कम हुई। बिहार भी इसका अपवाद नहीं है। सहरसा और पूर्णिया में पैदा होने वाला जूट उपेक्षाकृत घटिया किस्म का होता है और परिणामतः यह जूट सस्ता बिकता है। यह कहना ठीक नहीं है कि जूट की उपज में इसलिये कमी हुई है कि वहां कोई कारखाना नहीं है अथवा किसानों को उचित मूल्य नहीं दिये जाते। गत मौसमों में देश में कच्चे जूट की अत्यधिक कमी के कारण देश भर में (जिनमें पूर्णिया और सहरसा भी शामिल है) जूट के मूल्य कलकत्ता और नगर से इतर बाजारों में बहुत ऊंचे रहे। यद्यपि यह सच है कि सहरसा जिले में जूट की कोई मिल नहीं है परन्तु बिहार में पहिले ही तीन जूट मिल हैं जिन की जूट की आवश्यकता का अधिकांश सहरसा और पूर्णिया में पैदा होने वाले जूट से ही पूरा किया जाता है। कुल मिलाकर देश में इस समय जितना कच्चा जूट उपलब्ध हो सकता है उसकी अपेक्षा जूट का माल बनाने वाले कारखाने की क्षमता अधिक है। परिणामतः विद्यमान मिलों की आवश्यकता को समय समय पर कच्चे जूट के आयात से पूरा किया जाता है। सहरसा के जूट के लिये अच्छे मूल्य सुनिश्चित करने का केवल यही रास्ता है कि जूट की किस्म और उपज में सुधार किया जाए।

3. इस जिले के जूट उगाने वाले क्षेत्र में जूट मिल की स्थापना का कोई प्रस्ताव नहीं है।

High Rated Goods

1406. **Shri K. N. Pandey**: Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether his Ministry has decided to undertake a study of certain classes of high rated goods in order to meet the competition from road transport; and